B .Com (1st Semester)

Course Code: UHINDBC101

Course Title: हिंदी भाषा

Course Type: Ability Enhancement Compulsory Course.

Credit Value: 4 credits.

Total Marks: 60; Min. **Passing Marks: 24**

पूर्वापेक्षा - आधार पाठ्यक्रम कोर्स अपेक्षित कक्षा 12 वी उत्तीर्ण किसी भी विषय समूह से।

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां- कोर्स अधिगम उपलब्धि(लर्निंग आउटकम)(CLO)1.उत्कृष्ट साहित्यिक पाठो केअध्ययन से रुचि का विकास करना।2 सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीयभावना का विकास करना।3.भाषा-ज्ञान।4.सामान्य शब्दावली और विशेषशब्दावली के अध्ययन द्वारा भाषा एवंसंस्कृति बोध का विकास करना5.विशिष्ट शब्दावली (वीज शब्द/कीवर्ड) से परिचित करवाते हुए बोध केस्तर को विकसित करना।6. प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु तैयारकरना।

इकाई - एक - 1- मैथिलीशरण गुप्त परिचयपाठः मातृभूमि (कविता),
2-प्रेमचन्द परिचयपाठः शतरज के खिलाडी (कहानी),
3-व्यग्य शरद जोशी जीप पर सवार इल्लियां |

इकाई-दो- 1- वैचारिक भारतीय भाषाओं में राम,आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2- परिचयपाठः उत्साह (भावमूलक निबन्ध),
3- रामधारी सिह दिनकर परिचयपाठःभारत एक है(सस्कृति),
4- आदिशंकराचार्य-जीवन व दर्शन |

इकाई-तीन-1.पर्यायवाची शब्द; विलोम शब्द; अनेक शब्द के लिए एक शब्द (हिन्दी व्याकरण)
2.संधि और उसके प्रकार (हिन्दी-व्याकरण)वीज शब्द-धर्म, अद्वैत, भाषा,अवधारणा, उदारीकरण ।

Subject: Commerce

Course Title: Financial Accounting

PartA-Introduction

Course Code: UFINACM102

Course Title: Financial Management

Credit Value: 6

Total Marks: 40+60 =100: Min. Passing Marks: 35

Pre- Requisite (if any): Not required open for all

Course Learning Outcomes (CLO):

1. The students also identify events that need to be recorded d in the accounting records its role of accounting and its limitations.
2. The students acquire conceptual knowledge of basics of accounting.
3. Thestudentsidentifyandanalyzethereasonsforthedifferencebetweencashbookandpassbookbalance.

PartB–ContentoftheCourse

Unit1: Accounts: (No.of Lectures:15)
Indian History, Definition, Objectives, Basic concept and Principals of Double Entry System, Journal entry, Ledger, Subsidiary books, Trial Balances Introduction of accounting standard final accounts.

Unit2: (No.of Lectures:15)
Accounting for Depreciation (According Accounting Standard-6) Branch Accounts.

Unit3: (No.of Lectures:15)
Royalty Accounts, Departmental Accounts.

Unit4: (No.of Lectures:15)
Accounting of Nonprofit Organization, Investment Account Consignment Accounts.

Unit5: (No.of Lectures:15)
Partnership Accounts: Dissolution of Partnership (with Insolvency), Amalgamation of Partnership firms, Conversion of Partnership firm in to joint stock Company.

Unit6: (No. of Lectures: 15)

Computerized accounts by using any popular accounting software creating a company ,configure and features setting , creating accounting ledgers and groups , creating stock items and groups , vouchers entry (with maintences of vouchers) , generating report – cashbook,ledgeraccounts,trialbalance,profitandlossaccountandbalancesheet.

Keywords/Tags: financial A/c, Depreciation, Accounting standard, branch a/c, royalty/partnership a/computerized Accounts.

Part C-Learning Resources

Textbooks:

1. Dr.R.K.Sharma/Dr.R.S.Popli,financial accounting,kitabMahalPubAgra
2. Anil,Rajesh&MariyafinancialaccountingHimalayaPublicationNagpur
3. AgrawalDr.Maheshfinancialaccounting,Ram Prasadandsons,Bhopal

Subject:Commerce

CourseTitle: Business Organization and Communication

PartA-Introduction

Course Code: UBUSICM103

Course Title: Financial Management
Credit Value: 6
Total Marks: 40+60 =100: Min. Passing Marks: 35
Pre- Requisite (if any): Not required open for all

CourseLearningOutcomes(CLO):

1. It is expected that the student shall understand the basics of the business that how any Business can be organized successfully.
2. Communication plays an important role in modern business scenario.
3.

PartB-ContentoftheCourse

Unit1:(No.ofLectures:5)

Indian tradition business and their organization structure. Concept of between, Trades, Industry and Commerce–Classification –Relationship between Trades. Industry and commerce-business organization – Concept, Characteristics, Importance and objectives. Functions of Business and Social Responsibility of business–steps to start an Enterprise.

Unit2:(No.of Lectures:15):

FORMSOFBUSINESSORGANIZATION:BusinessOrganization–Classification–Factors Influencing the Choice of Suitable form of organization – Sole Proprietorship andPartnership–Meaning,Definition–Characteristics–Advantages.Co-operativeOrganization–Meaning, functions and Limitations of Co-Operatives Societies.

Unit3:(No.of Lectures:15):

ORGANIZATION OF COMPANIES: Meaning, Concepts, Formation, characteristics and significance of Private Company and public Company. Multinational Companies and the Challenges of their organization in India.

Unit4 :(No.ofLectures:15):

COMMUNICATION: Definition, Nature, Importance, Objectives of Communication.Communicationtheoriesandprocess-Informationtheory, Interaction theory, Transaction theory, Elements of Communication process. Barriers to Communication: Linguistic barriers , psychological barriers , Interpersonal Barriers , Cultural Barriers ,Physical Barriers,Organizational,Barriers.

Unit5:(No.of Lectures:15)

Written communication: Writing techniques and Guide lines.Letterwriting-basicPrinciple, Purpose, Types of business letters, Report writing types of report, Drafting of report. Oral Communication: Speech for different occasions ,Guide lines for effective listening, Job Interviews ,types of information.

Unit6: (No.ofLectures:15)

Modern forms of communication E-mail video conferencing, International Communication for Global Business. Information Technology: Form soft technology use in modern communication system, Role of social media in modern business.

PartC-LearningResourcesTextbooks

1. T.N.Chhabra,BusinessCommunication,HimalayaPublishingHouse,NewDelhi
2. K.K.Sinha,EssentialsofbusinessCommunication,VkGlobalPublications,Faridabad

विषय :प्रयोजनमूलक हिंदी) Hindi and Advertisement Business)

वैकल्पिक (Generic Elective)

PartA-Introduction

Course Code: UHINDCM104

Course Title: Hindi and Advertisement Business
Credit Value: 4
Total Marks: 40+60 =100: Min. Passing Marks: 35
Pre- Requisite (if any): Not required open for all

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)-

आज के वैश्वीकरण एवं बाजारवाद के दौर में विज्ञापन एक सशक्त माध्यम के रूप में उभर कर सामने आया है। विज्ञापन का क्षेत्र अत्यधिक व्यापक एवं बहुआयामी है। न केवल उत्पाद कंपनियों द्वारा वस्तु का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है बल्कि जनकल्याण, शैक्षणिक संस्थाओं एवं सूचनाओं के प्रचार-प्रसार में भी विज्ञापनों की महती भूमिका है। हिन्दी आज बाज़ार की जरूरत बन गयी है। हिंदी बोलने-समझने वालों की संख्या में आशातीत वृद्धि होने के कारण विपणन-कंपनियों को अपने उत्पाद बेचने के लिए हिंदी में तैयार विज्ञापन की अत्यंत आवश्यकता है। हिंदी भाषा के माध्यम से विभिन्न जनसंचार माध्यमों में विज्ञापन व्यवसाय द्वारा रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। विज्ञापन की अवधारणा, आवश्यकता, निर्देश व सिद्धांत, विज्ञापन -लेखन की रचना-प्रक्रिया से विद्यार्थी को परिचित कराना ही इस पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन का प्रयोजन है।

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी को प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, विज्ञापन एजेंसियों व अन्य संस्थाओं में विज्ञापन-लेखन के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

2. विभिन्न प्रकार के विज्ञापनों से संबंधित स्लोगन, गीत, जिंगल-लेखन, तुकांत कविता, रेखाचित्र, बैनर, पोस्टर, रंग-संयोजन, कैलेंडर-निर्माण आदि के कौशल का विकास विद्यार्थी में हो सकेगा।

3. अपने देश समाज एवं क्षेत्र विशेष के उपभोक्ता की रुचि, क्रय-शक्ति एवं वस्तु की मांग से विद्यार्थी विज्ञापन-लेखन के दौरान परिचित होगा, जिससे उसमें विश्लेषण क्षमता का विकास हो सकेगा ।

4. विज्ञापन को तथ्यात्मक बनाने के लिए विद्यार्थी विभिन्न उत्पाद कंपनियों के उत्पादों की जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करेगा जिससे उसमें तुलनात्मक एवं तार्किक विवेचन की क्षमता का विकास होगा, जिससे वह स्वयं का व्यवसाय आरंभ करने के लिए भी प्रेरित हो सकेगा

5. विज्ञापन-लेखन के अभ्यास से विद्यार्थी में कल्पनाशीलता, रचनात्मकता एवं भाषा के विविधता भरे कौशल की अभिवृद्धि होगी।

भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या - ट्यूटोरियल - प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : 3 घण्टे प्रति सप्ताह (L-T-P : 3-0-0)

कुल व्याख्यान : 60

इकाई:-

I- विज्ञापन: अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं।

विज्ञापन का उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्त्व।

विज्ञापन और व्यापार का संबंध।

विज्ञापन का इतिहास और विकास।

विज्ञापन: कानून और आचार संहिता।

II- विज्ञापनों का वर्गीकरण,

विज्ञापन के प्रमुख अंग और आधारभूत सिद्धान्त।

विज्ञापन-निर्माण की प्रविधि : प्रारूप-निष्पादन, अभिकल्पना (डिजाइन) और अभिविन्यास (ले आउट)।

विज्ञापन-भाषा की विशिष्टताएँ एवं भाषा-संरचना।

III-विज्ञापन के विविध माध्यम

मुद्रण माध्यम - समाचार पत्र, पत्रिकाएं।

श्रव्य माध्यम - रेडियो, एफ.एम. रेडियो, मुनादी।

दृश्य श्रव्य माध्यम - टी.वी.,इंटरनेट, मोबाइल, सोशल मीडिया, ई-विज्ञापन ।

अन्य माध्यम - होर्डिंग, पोस्टर, बैनर, पर्चे, स्टीकर, प्रदर्शनी आदि।

IV- विज्ञापन के नए संदर्भ: प्रायोजित कार्यक्रम ।

विज्ञापन का उपभोक्ता बाजार एवं अर्थव्यवस्था पर प्रभाव।

हिन्दी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेन्सियों का परिचय ।

हिंदी भाषा के विकास में विज्ञापनों की भूमिका ।

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग : विज्ञापन, विज्ञापन-भाषा, मुद्रित माध्यम, दृश्य-श्रव्य माध्यम, सोशल मीडिया, ई-विज्ञापन, विज्ञापन एजेंसी, ले आउट, अभिकल्पना, डिज़ाइन

भाग स - अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :

1. अग्रवाल, मधु -"भारतीय विज्ञापन में नैतिकता" - प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली, सं-1995
2. कुलश्रेष्ठ, डॉ. विजय - "जनसम्पर्क, प्रचार एवं विज्ञापन" - राजस्थान प्रकाशन, जयपुर, सं-2017
3. कुलश्रेष्ठ, डॉ. विजय - "विज्ञापन : सिद्धांत और प्रयोग" - माया प्रकाशन मंदिर, जयपुर, सं-2018
4. जेठवानी, जयश्री एवं अन्य - "विज्ञापन और जनसम्पर्क" - सागर पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
5. तिवारी, डॉ.रामचन्द्र - "विज्ञापन व्यवसाय एवं कला* - आलेख प्रकाशन, दिल्ली, सं-2008
6. पाण्डेय, कैलाश नाथ - "विज्ञापन बाजार और हिंदी" - वाणी प्रकाशन, दिल्ली, सं-2018
7. पाण्डेय, आशा - हिन्दी विज्ञापनों की भाषा" - ब्लेकी एण्ड पब्लिशर्स प्रा.लि., दिल्ली, सं-1986
8. परीकर, आशुतोष - "हिंदी विज्ञापनों का पहला दौर"- अनन्य प्रकाशन, दिल्ली, सं-2017
9. महाजन, अशोक - "विज्ञापन' - हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला, सं-2010
10. मोहन, मनेन्द्र - "एडवरटायजिंग मेनेजमेंट" - मैंग्रोनिल एजुकेशन इंडिया, सं-2017
11. शर्मा, कुमुद. - "विज्ञापन की दुनियाँ"- प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, सं-2010
12. यादव, नरेन्द्र सिंह - "विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धान्त" - हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर,सं-2017
13. हटवाल, एकेश्वर प्रसाद - "विज्ञापन कला" - राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, सं-1989

अनुशंसित वेबसाइट एवं डिजिटल संपर्क-सूत्र :

1. www.ndl.iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)
2. http://www.csttpublication.mhrd.gov.in/
3. https://ugcmoocs.inflibnet.ac.in/
4. http://ignou.ac.in/eGyankosh
5. https://ugcmoocs.inflibnet.ac.in/.
6. https://www.swayamprabha.gov.in/
7. www.mgahv.in